

सावन में काँवर उठा लेते हैं भोले

भोले दानी तुम हो ज्ञानी,
तेरी शरण में गौरा रानी,
सावन में काँवर उठा लेते हैं भोले,
गंगा जल सबही चढ़ा देते हैं भोले,
गंगा जल सबही चढ़ा देते है।

बनके कांवरिया चला सांवरिया,
पहना है गेरू रंग बाँधी पगड़िया,
कांधे पे काँवर पांव घुंगरू बजाते,
भोले के धुन सब भंग पी जाते हैं,
मस्ती में सबकुछ भुला देते हैं भोले,
सावन में कंवर उठा लेते हैं भोले,
गंगा जल सबही चढ़ा देते है।

बरसे है सावन झूम झूम के बदरिया,
भीगी है काँवर और भीगे कांवरिया,
जाऊंगा हरीद्वार जल भर के लाऊंगा,
भोले के शिवलिंग पे जल मैं चढ़ाऊंगा,
पैरो में छाले पड़ गए हैं मेरे भोले,
सावन में कंवर उठा लेते हैं भोले,
गंगा जल सबही चढ़ा देते है।

तेरी ये भोला भांग पीसी ना जाती है,
घोटत घोटत हाँथ पड़ जाते छाले है,
तुम तो गंजेड़ी और भगेड़ी भोले दानी हो,
मेरे जीवन में भी इक लाये परेशानी हो,
विनय कलामु जल चढ़ा जाता है भोले,
चन्दन चरन में भी आ जाता है भोले,
नीलकंठ जल वो चढ़ा जाता है।

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25135/title/savan-me-kanvar-utha-lete-hain-bhole>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |